

भारत का राजपुत्री

The Gazette of India

आधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 4]
No. 4]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 29, 1983/माघ 9, 1904
NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 29, 1983/MAGHA 9, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग अलग रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii) PART II—Section 3—Sub-section (iii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांख्यिक
आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence)

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1983

अनुच्छेद 13—निर्वाचन आयोग को समझाया हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में यथा विनिर्दिष्ट राज्य विधान सभा के निर्वाचन के लिए आ स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र से होगा है, स्तम्भ (4) में उसके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन करने वाला प्रत्येक अभ्यर्थी, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित सन्ध के भीतर और रीति में उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में यथा उपर्युक्त रूप में अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहा है,

और उक्त अभ्यर्थियों ने सम्यक सूचना दिए जाते पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण प्रस्तावित नहीं किया है या उनके द्वारा दिए गए अभ्यर्थित्व पर, कोई भी विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह समझाया हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्याख्यान नहीं है,

1197 GI/82]

अतः अब निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम के धारा 10-क के अन्तर्गत नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों की ससद के किसी भी सदस्य के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए उस आदेश की तारीख से तीन वर्षों की अवधि के लिए निर्वाचन प्रार्थना करती है।

सारणी				
क्रम निर्वाचन की सं० विनिर्दिष्टता	विधान सभा निर्वाचन-क्षेत्र के क्र० सं० और नाम	निर्वाचन करने वाले अभ्यर्थी का नाम	निर्वाचन करने वाले निर्वाचन का कारण	
1	2	3	4	5
1	मेरठ विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन, 1982	1 : 1-मन्दाकिनी	श्री राजा/हनु, मूख्य निर्वाचन क्षेत्रों में शामिल, या अन्य विधि कुलपति/मन्दाकिनी, राज्य अपेक्षित अधिकार-व्यवस्था, रीति में दाखिल खिला-नर्तक लोग करने में असफल रहे।	

[न० 76/केरल/82 (38)]

आदेश से,
या के गण, अवर सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 7th January, 1983

O.N. 15.—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the election to the State Legislative Assembly as specified in column (2) and held from the constituency specified in column (3) against his name has failed to lodge any account of his election expenses, within the time and in the manner, as shown in column (5) of the said Table as required by the representation of the People Act, 1951 and the Rules made there under,

And, whereas the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice or the Election Commission, after considering the representations made by them if any, is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being

chosen as, and for being, a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of 3 years from the date of this order.

TABLE

S. No. of election	Particulars	S. No. & Name of the testing candidate	Reason for dis-qualification
1	2	3	4
		Assembly Constituency	
1	2	3	4
1.	General Election to Kerala Legislative Assembly 1982	122-Chavara Moothra Kijha-kkathil Kulangarabhekam Chavara P. O. Quilon District (Kerala)	Failed to lodge the account in the manner required by law

[No.76/KL/82 (38)]

by order,

V. K. RAO, Under Secy